नाबार्ड योजना से स्व-सहायता समूहों को उपलब्ध कराए गए चूजे

मुर्गीपालन कर 22 महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

भास्कर न्यूज | कटनी

कैमोर क्षेत्र के ग्राम छोटा अमेहटा और बड़ा अमेहटा में 4 महिला स्वसहायता समूह की 22 महिलाएं मुर्गी पालन कर आत्मनिर्भर होगी।। नाबार्ड योजना के तहत 22 महिलाओ को प्रशिक्षित कर मुर्गी के चूजे उपलब्ध कराए गए है। कलेक्टर विशेष गढपाले के निर्देश पर नाबार्ड द्वारा की गई पहल का उददेश्य जिले में मुर्गी पालन का क्लस्टर विकसित करने के साथ ही महिला स्वसहायता समूहों को आर्थिक रुप से मजबूत बनाना और उन्हें रोजगार मुहैया कराना है। दोनो गांवो की महिलाओं मंती, मीना, रामरती, सलका, कौशल्या बाई, सीता बाई जैसी अन्य 22 महिलाओं के पास अर्थिकोपार्जन के लिये मुर्गी पालन का व्यवसाय तैयार हो रहा है।

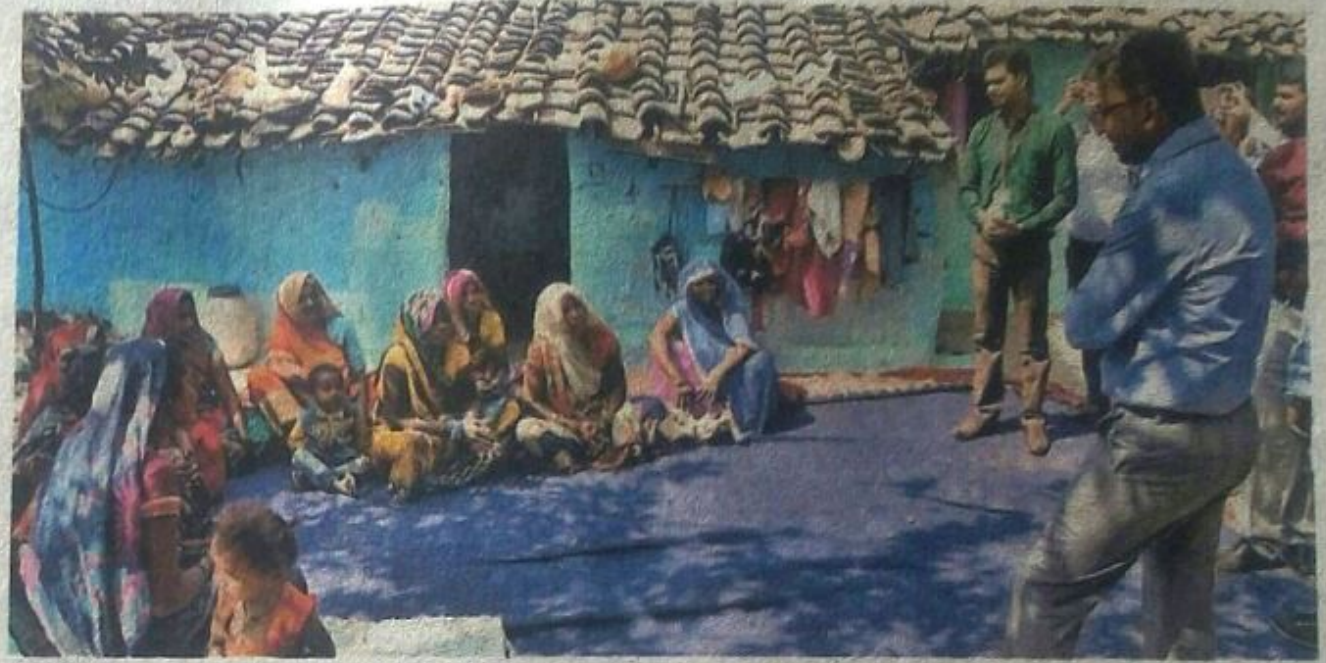

कलेक्टर व सीईओ ने लिया जायजा

एसीसी स्वाबलंबन महिला सशक्ति करण कार्य म के तहत गठित महिला स्वसहायता समूहों के जिन 22 परिवारों को मुर्गी पालन व्यवसाय के लिये नाबार्ड के द्वारा चूजों को वितरण किया गया है, उसका जायजा छोटा अमेहटा और बड़ा अमेहटा गांव पहुंचकर कलेक्टर विशेष गढ़पाले और सीईओ जिला पंचायत फ्रेंक नोबल ए ने लिया। इस दौरान कलेक्टर ने समूहों की महिलाओं से संवाद भी किया। साथ ही उन्हें इस व्यवसाय में होने वाले लाभ को भी बताया। समूह की महिलाओं को जानकारी देते हुये कलेक्टर ने कहा कि यह चूजे 40 दिनों में बिकने लायक हो जायेंगे। हम भविष्य में आपके लिये बाजार भी तैयार करने जा रहे हैं। जिसमें बड़े स्तर पर मुर्गी पालन का कार्य कर रहे व्यवसाईयों का टाईअप हम करायेंगे। मुर्गी पालन के व्यवसाय की जानकारी और होने वाले आर्थिक लाभ के विषय में समूह की महिलाओं को बताते हुये कलेक्टर ने अपना विजन भी स्पष्ट किया। उन्होने कहा कि हम रहे, ना रहें, यदि आपने लगन के साथ यह कार्य जारी रखा, तो आप अपने पैरों पर जरुर खड़े हो जायेंगे। सीधी जिले में मुर्गी पालन के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की जानकारी भी कलेक्टर ने दी।